महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

लेखराम दन्नाना
Lekhram Dannana
प्रभारी , अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
In-charge head, Dept. of Sanskrit
साहित्य विद्यापीठ / School of Literature

दिनांक : 02/08/2017

सूचना

विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं अधिकारियों को सूचित किया जाता है की संस्कृत विभाग के द्वारा 07.08.2017 को अपराह्न 03.00 बजे से ग़ालिब सभागार, साहित्य विद्यापीठ में **संस्कृत दिवस समारोह** तथा तदुपलक्ष्य में **संस्कृतस्य आधुनिकी प्रासंगिकता** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

* कार्यक्रम का विवरण समारोह-पत्रिका में प्रस्तुत है।

02/08/2017
लेखराम दन्नाना

प्रतिलिपि:

कुलपति कार्यालय
प्रतिकुलपति कार्यालय
सूचना पट्ट
लीला पर अपलोड हेतु
संबंधित फाईल

पोस्ट -हिंदी विश्वविद्यालय,गांधी हिल्स,वर्धा- 442001 (महाराष्ट्र) भारत
Post : Hindi Vishwavidyalaya, Gandhi Hills, Wardha - 442 005 (Maharashtra), INDIA
वेबसाइट/Website : www.hindivishwa.org

ऋग्वेदः ओ३म् यजुर्वेदः

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

संस्कृतविभागः , साहित्यविद्यापीठम्

संस्कृतदिवससमारोहः विशिष्टव्याख्यानञ्च

तिथिः – ०७-०८-२०१७ समयः – अपराह्ने ०३:०० वादनम् स्थलम्- ग़ालिबसभागारः

अध्यक्षः - प्रो. गिरीश्वरमिश्रः,

कुलपतिः,म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा

प्रमुखवक्ता – प्रो. मधुसूदन पेन्ना,

दर्शनसंकायाध्यक्षः,कविकुलगुरुकालिदाससंस्कृतविश्वविद्यालयः, नागपुरम्

व्याख्यानविषयः – संस्कृतस्य आधुनिकी प्रासङ्गिकता

सारस्वतातिथी- प्रो. आनन्दवर्धनः

उपकुलपतिः,म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा

श्री संजीवजी लाभे

सहमन्त्री,संस्कृतभारती, विदर्भप्रान्तः

सम्मानितातिथिः – श्री कादरनवाजखानः

कुलसचिवः,म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा

धन्यवादज्ञापकः-प्रो. कृष्णः कुमारः सिंहः

अधिष्ठाता, साहित्यविद्यापीठम्, म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा

मञ्चसंचालकः – डॉ. भरतकुमारः पण्डा

सहायक प्राध्यापकः,शिक्षा विभागः, म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा

संयोजकः – लेखरामः दन्नाना **सहसंयोजकः- डॉ. श्रीरमणमिश्रः**

जयतु संस्कृतं जयतु भारम्

सर्वेऽपि सादरामन्त्रिताः

सामवेदः अथर्ववेदः